प्रिय साथियों,

मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि बैंकिग क्षेत्र में बह रही संरचनात्मक बदलाव की लहरो में पर्व विदुर ग्रामीण बैंक, मुजफ्फरनगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं हिण्डन ग्रामीण बैंक के संगम से असित्तव में आये उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक को आज एक वर्ष पूर्ण हो चुका है । मैं अपने समस्त स्टाफ की सराहना करना चाहूँगा कि विषम परिस्थितियों में भी स्टाफ ने सम्पूर्ण धैर्य और उत्साह का प्रदर्शन करते हुये बेहतर परिणाम दिये । हमारे बैंक का व्यवसाय दिनांक 21.12.05 को निम्न प्रकार था ।

जमा	395.00 करोड़
ऋण	179.00 करोड़
एनपीए	3.75 करोड़
लाभ	35.00 करोड़

हमारे बैंक की दिनांक 21.12.2006 को व्यवसाय की स्थिति निम्न प्रकार है :-

जमा	384.00 करोड़
ऋण	213.00 करोड़
एनपीए	5.75 करोड़
लाभ	5.78 करोड़

मुझे पूर्ण विश्वास है कि विभिन्न कठिन परिस्थितियों में भी आप मार्च 2007 की चुनौतियों को स्वीकार करते हुये बैंक व्यवसाय के समस्त लक्ष्यों को पूर्ण करेगें ।

कुल जमाओं में 22.66% ऋणों में 36.94% और लाभप्रदत्ता में 14.89% की वृद्वि दर्ज हुयी है जिसके फलस्वरूप प्रति शाखा व्यवसाय में 27.11% और प्रति कर्मचारी व्यवसाय में 26.28% की वृद्वि हुई है । हमारा CD Ratio वर्तमान में 50.47 है, जबकि गत वर्ष यह 45.21 था । हमारे एन.पी.ए. में भी इस वर्ष 37.14 की कमी आई है ।

प्राय: यह देखा गया है कि जागरूकता,विपणन और प्रयत्न की कमी के फलस्वरूप हम अपने जमा उत्पादों को बढ़ावा नहीं दे रहें है । चूकिं हमारा क्षेत्र अधिकतर ग्रामीण है, अत: हमें अपने ग्राहकों को आधार बनाते हुये जमा राशियों के आधार में पर्याप्त वृद्वि करनी होगी । किसी भी बैंक की छवि में वृद्वि करने के लिये ग्राहक सेवा में वृद्वि करना अत्यन्त आवश्यक होता है क्योंकि ग्राहक सेवा ही बैंक की रीढ़ है । ग्राहक सेवा को नया आयाम प्रदान करना हमारी उच्चतम प्राथमिकताओं में से एक है ।

भारतीय बैंकिग व्यवस्था में ग्रामीण बैंको की भूमिका को और सुदृढ बनाने तथा भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, कृषि क्षेत्र, की सभी आधुनिक बैंकिग सुविधायें,जिनमें कम्प्यूटराइजेशन, इंटरकनेक्टिविटी व एटीएम जैसी सुविधायें शामिल है, उपलब्ध कराने हेतु रूपरेखा तैयार कर ली गयी है ।

आइये हम अपनी क्षमताओं और शक्तियों को पुन: एकत्र कर अपने राष्ट्र व संस्था के प्रति पूरी निष्ठा और लगन से अपने कार्य में जुट जायें । यकीनन् हम सभी की मंजिल एक ही है, साथ ही हमारी सफलता भी । हमें ऐसी राह में आगे बढ़ना है जहॉ संकुचित मानसिकता व नकारात्मक दृष्टि कोण के लिये कोई स्थान नही है । प्रत्येक को अपना सर्वोत्तम योगदान देना होगा । यदि हमारी संस्था आगे बढ़ेगी तो निसंदेह इसका लाभ हम सभी को प्राप्त होगा ।

-ऐ.के.लूम्बा